-- Mamma Special --

मम्मा ओ मम्मा

आप हो जगतअम्बा

पूरी दुनिया आपको पुकारती

आप सबकी मदद करती

मम्मा आपके रहते सदा वरदानी बोल

आपकी स्थिति रहती सदा अचल अडोल

ज्ञान में रही आप गुप्त

सरस्वती जैसी आप मस्त

सदा आपको याद रहा

करन करावनहार करा रहा

आपकी थी आत्मिक दृष्टि

संभालती आप पूरी सृष्टि

आप हो निराली माँ

करती सदा शिवबाबा की महिमा

ॐ मण्डली की माता आप

सबकी पालना करती थी आप

यज्ञ का काम करती थी आप पूरा

सारी रहती थी गुप्त सेवा

परमधाम सदा आपको याद रहता

कहती थी आप कभी भी जाना पड़ सकता

मम्मा की दृष्टि करती कमाल

जो भी आता उनके पास हो जाता मालामाल

सुख शांति से भरपूर

कर देती सबको भावविभोर-

बाबा की मधुर वाणी सुनाती

सच्चा -सच्चा ज्ञान सिखाती

उनकी वाणी में जैसे सागर की गहराई

आकाश की उच्चाई

आपकी मीठी - मीठी शिक्षाएं

सबके मन को लुभाए

मम्मा कहती हमें किसी के प्रभाव में नहीं आना

सदा एक बाप के संग में है रहना

मम्मा के चेहरे पर कभी थकावट नज़र नहीं आती

वो सदा मुस्कुराती और हलकी नज़र आती

बाबा को बनाया सच्चा दिलबर

रहती थी सदा शेरनी जेसे निडर

मम्मा कहती शिव शक्तियों को शक्ति रूप होकर रहना है

किसी के अवगुण को चित पर नहीं रखना है

बाबा ने जो पढ़ाया और सिखाया

सदा जी हाँ करके मम्मा उसे जीवन में लाया

कभी कोई प्रश्न नहीं उठाया

मम्मा कहती कभी किसी को दुःख नहीं देना

५ तत्वों की भी सदा सेवा करना !!

मम्मा ओ मम्मा

तू है सबकी भाग्यविधाता !!